इतिहास अध्ययनशाला

पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल की बैठक (इतिहास)

विषय– इतिहास प्रश्न पत्र – प्रथम

संकाय– सामाजिक विज्ञान

कक्षा का नाम – बी.ए. तृतीय वर्ष प्रश्न पत्र का नाम – भारत का इतिहास 1761 ई. से 1947 ई. तक

नवीन संशोधित पाठ्यक्रम

इकाई–1

1. भारत में यूरोपीयनों का आगमन
2. आंग्ल–फ्रांसीसी प्रतिस्पर्धा– कर्नाटक युद्ध
3. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार – प्लासी एवं बक्सर युद्ध
4. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार – वेलेजली की सहायक संधि, डलहौजी की हड़प नीति

इकाई–2

5. ब्रिटिश प्रशासनिक सुधार – लार्ड विलियम बैंटिंग
6. लार्ड कर्जन का प्रशासन
7. यूरोपीय वाणिज्यवाद का भारत में प्रभाव–उद्योगों व व्यापार का पतन
8. विभिन्न सामाजिक वर्ग–कृषक, मजदूर, महिलाएं

इकाई–3

9. कृषि का पतन एवं कृषक आंदोलन
10. भूराजस्व व्यवस्थाएं – स्थायी बंदोबस्त, रैयतवाड़ी, महालवाड़ी
11. भारतीय पुनर्जागरण–ब्रह्म समाज, आर्य समाज
12. मुस्लिम समाज सुधार आंदोलन–अलीगढ़ आंदोलन

इकाई–4

13. रेल यातायात का उद्‌भव एवं विकास
14. हस्तशिल्प उद्योगों का पतन
15. ईस्ट इंडिया कंपनी का रियासतों से संबंध
16. पाश्चात्य शिक्षा का विकास एवं प्रेस

इकाई–5

17. ब्रिटिश नियंत्रण काल में छत्तीसगढ़ की प्रशासनिक व्यवस्था
18. ब्रिटिश कालीन प्रशासनिक व्यवस्था
19. छत्तीसगढ़ में सामाजिक सुधार–कबीर पंथ एवं सतनाम पंथ
20. छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति

इतिहास अध्ययनशाला

पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल की बैठक (इतिहास)

विषय– इतिहास　　प्रश्न पत्र – द्वितीय

संकाय– सामाजिक विज्ञान

कक्षा का नाम – बी.ए. तृतीय वर्ष　　प्रश्न पत्र का नाम – भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन का इतिहास 1857ई. से 1947ई. तक

नवीन संशोधित पाठ्यक्रम

इकाई–1

1. राष्ट्रवाद का उदय
2. 1857ई. की क्रांति : कारण एवं परिणाम
3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना – उद्देश्य, उदारवाद, उग्रवाद
4. बंगाल का विभाजन एवं स्वदेशी आंदोलन

इकाई–2

5. क्रांतिकारी आंदोलन– प्रथम एवं द्वितीय चरण
6. भारतीय राजनीति में साम्प्रदायिकता का उदय– मुस्लिम लीग की स्थापना
7. होमरूल आंदोलन
8. लखनऊ समझौता

इकाई–3

9. गांधीवादी आंदोलन – असहयोग आंदोलन
10. सविनय अवज्ञा आंदोलन
11. आदिवासी मजदूर एवं कृषक आंदोलन
12. भारत छोड़ो आंदोलन

इकाई–4

13. आजाद हिन्द फौज
14. भारत का विभाजन एवं स्वतंत्रता
15. रियासतों का विलिनीकरण
16. भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएं

इकाई–5

17. छत्तीसगढ़ में 1857ई. की क्रांति– नारायण सिंह एवं हनुमान सिंह
18. बस्तर का मुरिया विद्रोह एवं भूमकाल आंदोलन
19. छत्तीसगढ़ में गांधीवादी आंदोलन
20. छत्तीसगढ़ में रियासतों का विलिनीकरण

बी.ए. तृतीय वर्ष, इतिहास
प्रश्न पत्र – प्रथम
भारत का इतिहास 1761 ई. से 1947 ई. तक

इकाई–1

1. भारत में यूरोपीयनों का आगमन
2. आंग्ल–फ्रांसीसी प्रतिस्पर्धा– कर्नाटक युद्ध
3. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार – प्लासी एवं बक्सर युद्ध
4. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार – वेलेजली की सहायक संधि, डलहौजी की हड़प नीति

इकाई–2

5. ब्रिटिश प्रशासनिक सुधार – लार्ड विलियम बैंटिंग
6. लार्ड कर्जन का प्रशासन
7. यूरोपीय वाणिज्यवाद का भारत में प्रभाव–उद्योगों व व्यापार का पतन
8. विभिन्न सामाजिक वर्ग–कृषक, मजदूर, महिलाएं

इकाई–3

9. कृषि का पतन एवं कृषक आंदोलन
10. भूराजस्व व्यवस्थाएं – स्थायी बंदोबस्त, रैयतवाड़ी, महालवाड़ी
11. भारतीय पुनर्जागरण–ब्रह्म समाज, आर्य समाज
12. मुस्लिम समाज सुधार आंदोलन–अलीगढ़ आंदोलन

इकाई–4

13. रेल यातायात का उद्‌भव एवं विकास
14. हस्तशिल्प उद्योगों का पतन
15. ईस्ट इंडिया कंपनी का रियासतों से संबंध
16. पाश्चात्य शिक्षा का विकास एवं प्रेस

इकाई–5

17. ब्रिटिश नियंत्रण काल में छत्तीसगढ़ की प्रशासनिक व्यवस्था
18. ब्रिटिश कालीन प्रशासनिक व्यवस्था
19. छत्तीसगढ़ में सामाजिक सुधार–कबीर पंथ एवं सतनाम पंथ
20. छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति

संदर्भ ग्रन्थ सूचीः–

1) एल.पी. शर्मा – आधुनिक भारत

(2) ए.आर. देसाई – आधुनिक राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि

(3) रजनी पामदत्त – इंडिया टुडे

(4) ग्रोवर एवं यशपाल – आधुनिक भारत का इतिहास एवं नवीन मूल्यांकन (1707–1969)

(5) एस.आर. शर्मा – मेकिंग आफ मार्डन इंडिया

(6) प्रताप सिंह – आधुनिक भारत–1, खंड–3

(7) एम.एस. जैन – आधुनिक भारत का इतिहास

(8) एस.पी. नायर – सोशल एंड इकॉनामिक हिस्ट्री आफ मॉडर्न इंडिया

(9) S.P. Nanda - Economic and Social History of Modern India

(10) V.A. Narain - Social History of Modern India

(11) एग्नेस ठाकुर – भारत का आर्थिक इतिहास (1757–1950)

(12) पुरी, दास, चोपड़ा –भारत का सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक इतिहास

(13) अरूण भट्टाचार्य – हिस्ट्री आफ माडर्न इंडिया (1757–1947)

(14) नीलकंठ शास्त्री –एडवांस हिस्ट्री ऑफ इंडिया

(15) आर.सी. मजुमदार एवं एच.सी. राय – ऐन एडवांश हिस्ट्री ऑफ इंडिया

(16) कौलेश्वर राय – आधुनिक भारत 1757–195

(17) सीमा पाल – भारतीय संस्कृति एवं ब्रिटिश उपनिवेशवाद

(18) यशपाल एवं ग्रोवर – आधुनिक भारत का इतिहास

(19) शेखर बंदोपाध्याय – प्लासी से विभाजन तक

(20) दीलीप मेनन – आधुनिक भारत का इतिहास

(21) दीलीप मेनन –कल्चरल हिस्ट्री ऑफ मार्डन इंडिया

(22) ए.पी.सिंह – भारत में उपनिवेश

(23) घनश्याम शाह – भारत में सामाजिक आंदोलन

(24) किशोर अग्रवाल – बीसवीं शताब्दी का छत्तीसगढ़

(25) अशोक शुक्ला – छत्तीसगढ़ का राजनीतिक इतिहास

(26) भगवान सिंह वर्मा – छत्तीसगढ़ का इतिहास

(27) सुरेश चंद्र – छत्तीसगढ़ का समग्र इतिहास

(28) हीरालाल शुक्ल – छत्तीसगढ़ का जनजातीय इतिहास

(29) आभा पाल एवं डिश्वर नाथ खुटे – बस्तर का राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास

बी.ए. तृतीय वर्ष, इतिहास
प्रश्न पत्र –द्वितीय
भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन का इतिहास 1857 ई. से 1947 ई. तक

इकाई 1

.1. राष्ट्रवाद का उदय
2. 1857ई. की क्रांति : कारण एवं परिणाम
3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना – उद्देश्य, उदारवाद, उग्रवाद
4. बंगाल का विभाजन एवं स्वदेशी आंदोलन

इकाई 2.

5. क्रांतिकारी आंदोलन– प्रथम एवं द्वितीय चरण
6. भारतीय राजनीति में साम्प्रदायिकता का उदय– मुस्लिम लीग की स्थापना
7. होमरूल आंदोलन
8. लखनऊ समझौता

इकाई 3.

9. गांधीवादी आंदोलन – असहयोग आंदोलन
10. सविनय अवज्ञा आंदोलन
11. आदिवासी मजदूर एवं कृषक आंदोलन
12. भारत छोड़ो आंदोलन

इकाई 4.

13. आजाद हिन्द फौज
14. भारत का विभाजन एवं स्वतंत्रता
15. रियासतों का विलिनीकरण
16. भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएं

इकाई 5.

17. छत्तीसगढ़ में 1857ई. की क्रांति– नारायण सिंह एवं हनुमान सिंह
18. बस्तर का मुरिया विद्रोह एवं भूमकाल आंदोलन
19. छत्तीसगढ़ में गांधीवादी आंदोलन
20. छत्तीसगढ़ में रियासतों का विलिनीकरण

संदर्भ ग्रन्थ सूचीः–

(1) ताराचंद – भारतीय स्वाधीनता आंदोलन का इतिहास भाग 1 व 2

(2) सुमित सरकार – आधुनिक भारत

(3) पं.सुंदरलाल शर्मा – भारत में अंग्रेजी राज

(4) डॉ. आभा सक्सेना – इंडियन नेशनल मूवमेंट एंड द लिबरलस

(5) ए.आर. देसाई – भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि

(6) शर्मा एवं शर्मा – भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं राजनैतिक विकास

(7) कौलेश्वर राय – फ्रीडम स्ट्रगल

(8) विपिन चन्द्र – भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास

(9) बीरकेश्वर प्रसाद सिंह – भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास

(10) रामलखन शुक्ला – आधुनिक भारत का इतिहास

(11) विनोद कुमार सक्सेना – द पार्टीशन ऑफ बंगाल

(12) के.पी. बहादुर – हिस्ट्री ऑफ फ्रीडम मूवमेंट इन इंडिया

(13) योगेन्द्र श्रीवास्तव – हिस्ट्री ऑफ फ्रीडम मूवमेंट 1857–1947

(14) यशपाल एवं ग्रोवर – आधुनिक भारत का इतिहास

(15) कौलेश्वर राय – आधुनिक भारत 1757–1950

(16) दामोदर धर्मानंद कौसंबी – भारतीय इतिहास का अध्ययन

(17) उषा ठक्कर एवं जयश्री मेहता – गांधी बोध

(18) माधुरी बोस – बोस बंधु और भारतीय स्वतंत्रता

(19) अजय गुडावर्थी – भारत मे राजनीतिक आंदोलनों का समकालीन इतिहास

(20) एम.आजाद – आजादी का कहानी

(21) ए.पी. सिंह – भारत में राष्ट्रवाद

(22) सुमीत सरकार – मॉर्डन टाइम्स

(23) रजनी कोठारी – पोलिटिक्स इन इंडिया

(24) एम.के. गांधी – हिन्द स्वराज

(25) किशोर अग्रवाल – बीसवीं शताब्दी का छत्तीसगढ़

(26) अरविंद शर्मा – छत्तीसगढ़ का इतिहास

(27) अशोक शुक्ला – छत्तीसगढ़ का राजनीतिक इतिहास

(28) भगवान सिंह वर्मा – छत्तीसगढ़ का इतिहास

(29) सुरेश चंद्र – छत्तीसगढ़ का समग्र इतिहास

(30) सुरेश चंद्र शुक्ला, एवं अर्चना शुक्ला – छत्तीसगढ़ की रियासतों का विलीनीकरण

(31.) आभा पाल एवं डिश्वर नाथ खुटे – बस्तर का राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास

संशोधित पाठ्यक्रम
बी. ए. भाग– 3
हिन्दी साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र
जनपदीय भाषा– साहित्य (छत्तीसगढ़ी)
(पेपर कोड– 0233)

प्रस्तावना–

हिन्दी केवल खड़ी बोली नहीं है, बल्कि एक बहुत बड़ा भाषिक समूह है। हिन्दी जगत में अनेक विभाषाएं, बोलियाँ और उपबोलियाँ विद्यमान हैं जिनमें सकल साहित्य सम्पदा है। इनके सम्यक अध्ययन और अन्वेषण की आवश्यकता है। जनपदीय भाषा छत्तीसगढ़ी निरन्तर विकास की ओर अग्रसर हो रही है अस्तु, इस भाषा का और इसमें रचित साहित्य का इतिहास– विकास स्पष्ट करते हुए इनसे संबंधित प्रमुख रचनाकारों का आलोचनात्मक अनुशीलन करना हिन्दी के वृहत्तर हित में होगा। छत्तीसगढ़ी भाषा का पाठ्यक्रम निम्न बिन्दुओं पर आधारित हैं–

(क) छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास– विकास
(ख) छत्तीसगढ़ी भाषा में रचित साहित्य का इतिहास
(ग) छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रमुख प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकारों की कृतियों का अध्ययन।

पाठ्य विषय–

रचनाएँ–

(1) प्राचीन कवि संत धर्मदास के 3 पद
   1. गुरू पइंया लागों नाम लखा दीजो हो।
   2. नैना आगे ख्याल घनेरा।
   3. भजन करौ भाई रे, अइसन तन पाय के।
   (सन्दर्भ– धर्मदास के शब्दावली से उद्घृत)
(2) लखनलाल गुप्त का गद्य–
   1. सोनपान
   (गद्य– पुस्तक' सोनपान' के उद्घृत)
(3) अर्वाचीन रचनाकार
   डॉ. सत्यभामा आडिल रचित गद्य
   1. सीख सीख के गोठ
   (गद्य पुस्तक 'गोठ' के उद्घृत)
(4) डॉ. विनय पाठक की कविताएँ–
   1. तँय उठथस सुरूज उथे
   2. एक किसिम के नियाव
   ('अकादसी और अनचिन्हार' पुस्तक से उद्घृत)
(5) मुकुन्द कौशल– छत्तीसगढ़ी गजल
   ''छै बित्ता के मनखे देखों..... से– मछरी मन लाख लेथे'' तक

(पुस्तक' छत्तीसगढ़ी गजल' के पृष्ठ 17 से उद्घृत)

द्रुतपाठ के रचनाकार– (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)

1. सुन्दर लाल शर्मा
2. कपिलनाथ कश्यप
3. रामचन्द्र देशमुख (रंगकर्मी)

अंक विभाजन– व्याख्याएं (3)	– 21 अंक
आलोचनात्मक प्रश्न (2)	– 24 अंक
लघुउत्तरीय प्रश्न (5)	– 15 अंक
वस्तुनिष्ठ (15)	– 15 अंक
कुल अंक	75

इकाई विभाजन

इकाई एक	–	व्याख्या
इकाई दो	–	प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकार
इकाई तीन	–	(अ) छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास
		(ब) छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास
इकाई चार	–	द्रुत पाठ के तीन रचनाकार
इकाई पाँच	–	वस्तुनिष्ठ / (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

संशोधित पाठ्यक्रम

बी.ए. भाग– 3

द्वितीय प्रश्न पत्र

हिन्दी भाषा– साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन

(पेपर कोड– 0234)

प्रस्तावना–

हिन्दी भाषा का इतिहास जितना प्राचीन है, उतना ही गुढ़– गहन भी। इसमें रचित साहित्य ने लगभग डेढ़ हजार वर्षो का इतिहास पूरा कर लिया है इसलिए हिन्दी भाषा और साहित्य के ऐतिहासिक विवेचन की बड़ी आवश्यकता है। इसी के साथ– साथ हिन्दी ने अपना जो स्वतंत्र साहित्य शास्त्र निर्मित किया हैं, उसे भी रूपायित करने की आवश्यकता है। इसके संज्ञान द्वारा विद्यार्थी की मर्मग्राहिणी प्रतिभा का विकास होगा और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शुद्ध साहित्यिक विवेक का सन्निवेश होगा।

पाठ्य विषय–

(क) हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास– हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी की मूल आकर भाषाएँ तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास। हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप–

1. बोलचाल की भाषा
2. रचनात्मक भाषा
3. राष्ट्रभाषा
4. राजभाषा
5. सम्पर्क भाषा
6. संचार भाषा

हिन्दी का शब्द भण्डार– तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली।

(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास :– आदिकाल, पूर्व मध्यकाल, उत्तर मध्यकाल और आधुनिक काल की सामाजिक , सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग प्रवृत्तियाँ, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ, साहित्यिक विशेषताएँ।

(ग) काव्यांग	–	काव्य का स्वरूप एवं प्रयोजन। रस के विभिन्न भेद, विभिन्न अंग, विभावादि तथा उदाहरण।
प्रमुख 5 छंद	–	दोहा, सोरठा, चौपाई, कुण्डलियाँ, सवैया।
शब्दालंकार	–	अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, पुररूक्ति प्रकाश।
अर्थालंकार	–	उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान।

संदर्भ ग्रन्थ–

(1) हिन्दी साहित्य का इतिहास संपादक– डॉ. सुशील त्रिवेदी व बाबूलाल शुक्ल (प्रकाशक– म. प्र. उ. शि. अनुदान आयोग)

(2) राजभाषा हिन्दी– मलिक मोहम्मद (प्रभात प्रकाशन दिल्ली)
(3) हिन्दी भाषा– डॉ. भोलानाथ तिवारी।

अंक विभाजन–

आलोचनात्मक (4)	– 44 अंक
लघुउत्तरीय प्रश्न (4)	– 16 अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (15)	– 15 अंक
	कुल अंक– 75 अंक

इकाई विभाजन–

इकाई– 1 हिन्दी भाषा का स्वरूप– विकास– (खण्ड– 'क')
इकाई– 2 हिन्दी का शब्द भण्डार– (खण्ड 'क' का अंतिम भाग)
इकाई– 3 हिन्दी साहित्य का इतिहास– (खण्ड– ख)
इकाई– 4 काव्यांग– रस, छंद, अंलकार (भाग– ग)
इकाई– 5 लघुउत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

बी. ए. भाग 3 B.A. Part III

राजनीति विज्ञान Political Science

प्रथम प्रश्नपत्र : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं भारत की विदेश नीति

Paper I : Internatioal Politics and Foreign Policy of India

इकाई 1 : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति : अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र ।

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति : अध्ययन उपागम – यथार्थवाद, आदर्शवाद, नवयथार्थवाद, विश्व व्यवस्था सिद्धान्त । राष्ट्रीय हित एव राष्ट्रीय शक्ति : अर्थ, परिभाषा एवं तत्व ।

Unit 1 : International Politics : meaning, Nature, Scope. International Politics : Approaches to the study : Realism, Idealism, New realism, World System theory. National interest and National power: Meaning Definition and Elements.

इकाई 2 : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के विभिन्न सिद्धान्त : व्यवस्था, खेल, निर्णय निर्माण,सौदेबाजी का सिद्धान्त ।

शक्ति संतुलन । सामूहिक सुरक्षा । निशस्त्रीकरण । शीतयुद्ध । राजनय ।

Unit 2 : Various theories of International Politics : System, Game, Decision making, Barganing theory. Balance of Power, Collective Security, Disarmament, Cold war, Diplomacy.

इकाई 3 : भारत की विदेश नीति : निर्धारक तत्व, विशेषताएं । गुटनिरपेक्षता : अर्थ, विशेषताएं, प्रासंगिकता ।

Unit 3 : Foreign Policy of India : Determinating elements, characteristics. Non-alignment : meaning, features , relevance.

इकाई 4 : भारत का पडोसियों से सम्बंध –चीन,पाकिस्तान,नेपाल,श्रीलंका। भारत का महाशक्तियों से सम्बंध – संयुक्त राज्य अमेरिका, रुस, ब्रिटेन एवं फ्रांस

Unit 4 : Indias' relations with neighboring countries : China , Pakistan, Nepal, Sri lanka, Relations with Super Powers - USA, Russia, Britain and France.

इकाई 5 : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के कुछ प्रमुख मुद्दे :

पर्यावरणवाद । अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवाद। वैश्वीकरण । मानव अधिकार । परमाणविक निशस्त्रीकरण ।

Unit 5 : Some major issues of International Politics :

Environmentalism, International Terrorism, Globalisation, Human Rights , Nuclear Disarmament.

बी.ए.अंतिम वर्ष
प्रथम प्रश्न पत्र
अंतर्राष्ट्रीय राजनीति एवं भारत की विदेश नीति

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची:–

क्र	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम
1.	अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सैद्धान्तिक पक्ष	महेन्द्र कुमार
2.	अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त एवं व्यवहार	यू.आर.घई
3.	अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति सिद्धान्त समकालिन एवं मुद्दे	बी.एल. फाडिया
4.	अन्तर्राष्ट्रीय संबंध	पुष्पेष पन्थ
5.	अन्तर्राष्ट्रीय संबंध	दीनानाथ बर्मा
6.	थीयरी ऑफ इन्टरनेषनल पालिटिक्स	के.वाल्टज
7.	इन्टरनेषनल रिलेषन्स	जे.गोल्ड स्टीन
8.	द इन्टरनेषनल पालिटिक्स	पी.कलवरठ
9.	इन्टरनेषनल रिलेषन्स	सी.ब्राउन
10.	समकालीन विष्व एवं भारत	अरूणोदय बाजपेयी

Reference :-

- M.S. Agwani, **Détente: Perspectives and Repercussions,** Vikas, 1975
- John Gray, **False Dawn: The Delusions of Global Capitalism,** Grant Book, U.K. , 1998
- Hans J. Morgenthan, **Politics Among Nations: The Struggle for Power and Peace,** Scientific Book Agency, Calcutta, 1972
- Mahendra Kumar, **Theoretical Aspects of International Politics,** Agra: Shiva Lal Agarwala & Co. Educational Publishers
- K.J. Holsti, **International Politics: A Framework for Analysis,** Prentice Hall of India, New Delhi, 1995.
- Paul Kennedy, **Preparing for the Twenty-First Century,** New York, 1993
- Hutchings, Kimbley, **International Political Theory,** Sage, New Delhi
- John Baylis and Steve Smith, **The Globalization of World Politics**, Oxford University Press, 2008
- Karen Mingst, **Essentials of International Relations**, New York: W.W. Norton & Company, 2007
- Kate Kelly S. Pease, **International Organizations**, New Jersey: Prentice Hall, 2000

Robert Jackson and Georg Sørensen, **Introduction to International Relations: Theories and Approaches,** Oxford University Press, 2003

- Joshua S. Goldstein & Jon C. Pevehouse, **'International Relations'** 5th Edition, Pearson Education, 2002

- J. W. Burton, **'International Relations: A General Theory'**, Cambridge University Press, New York, 1965.
- M.S. Agwani, **Détente: Perspectives and Repercussions,** New Delhi: Vikas, 1975
- John Gray, **False Dawn: The Delusions of Global Capitalism,** Grant Book, U.K., 1998
- Hans J. Morgenthan, **Politics Among Nations: The Struggle for Power and Peace,** Calcutta, Scientific Book Agency, Calcutta, 1972
- Mahendra Kumar, **Theoretical Aspects of International Politics**
- K.J. Holsti, **International Politics: A Framework for Analysis,** Prentice Hall of India, New Delhi, 1995.
- Paul Kennedy, **Preparing for the Twenty-First Century,** New York, 1993
- Hutchings, Kimbley, **International Political Theory,** Sage, New Delhi, 2002
- Karen Mingst, **Essentials of International Relations**, New York: W.W. Norton & Company, 2007
- Kate Kelly S. Pease, **International Organizations**, New Jersey: Prentice Hall, 2000
- Robert Jackson and Georg Sørensen, **Introduction to International Relations: Theories and Approaches,** Oxford University Press, 2003
- Joshua S. Goldstein & Jon C. Pevehouse, **'International Relations'** 5th Edition, Pearson Education, 2002.
- J. W. Burton, **'International Relations: A General Theory'**, Cambridge University Press, New York, 1965.
- John Baylis & Steve Smith, **'Globalization of World Politics'** OUP, U.S.A. & Delhi, 2008.

बी. ए. भाग 3 B. A. Part III

राजनीति विज्ञान Political Science

द्वितीय प्रश्नपत्र : लोक प्रशासन Paper : II : Public Administration

इकाई 1 : लोक प्रशासन : अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र । लोक प्रशासन और निजी प्रशासन । अध्ययन पद्धतियां । नवीन लोक प्रशासन । तुलनात्मक लोक प्रशासन ।

Unit 1 : Public Administration : meaning and definition, nature, scope. Public Administration and Private Administration. Method of Studies. New Public Administration. Comparative Public Administration.

इकाई 2 : संगठन के सिद्धान्त : पदसोपान, नियंत्रण का क्षेत्र , आदेश की एकता, प्रत्यायोजन ।

मुख्य कार्यपालिका । सूत्र एवं स्टाफ अभिकरण । विभागीय संगठन , लोक निगम । कार्मिक प्रशासन

: भर्ती, पदोन्नति , प्रशिक्षण ।

Unit 2 : Principles of Organisation : Hierarchy, Span of Control, Unity of Command, Delegation. Chief Executive. Line and Staff Agencies. Departmental Organisation. Public Corporation. Personnel Administration : Recruitment, Promotion, Training.

इकाई 3 : विकास प्रशासन : प्रकृति, मुद्दे और विशेषताएं । रिग्स मॉडल । प्रशासन में नागरिक सहभागिता ।

सुशासन और ई शासन । संध लोक सेवा आयोग ।

Unit 3 : Development Administration : Nature, Issues, Characteristics.Riggs Model.

Public participation in Administration.Good Governance and

e- Governance. Union Public Service Commission.

इकाई 4 : वित्तीय प्रशासन : बजट के सिद्धान्त । भारत में बजट प्रक्रिया । भारत में प्रशासनिक सुधार ।

प्रशासन पर कार्यपालिका, विधायी, न्यायिक और जन नियन्त्रण ।

Unit 4 : Financial Administration: Principles of Budget. Budget procedure in India. Administrative reforms in India. Executive, Legislative, Judicial and Public Control on Administration.

इकाई 5 : प्रशासन में भ्रष्टाचार : आम्बुड्समैन, लोकपाल और लोक आयुक्त ।

वैश्वीकरण के युग में लोक प्रशासन । उदारीकरण । नौकरशाही । लोक सम्पर्क ।

Corruption in Administration: Ombudsman, Lokpal and Lok Ayukta.

Public Administration in the age of Globalisation. Liberalisation. Bureaucracy.

Public Relation.

बी.ए.अंतिम वर्ष

द्वितीय प्रश्न पत्र

लोक प्रषासन

सन्दर्भ ग्रन्थ सूचीः–

क्र	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम
1.	लोक प्रषासन	अवस्थी और माहेष्वरी
2.	लोक प्रषासन सिद्धान्त एवं व्यवहार	सुषमा यादव और बलराम गौतम–(सम्पा)
3.	तुलनात्मक लोक प्रषासन	रमेश अरोड़ा
4.	लोक प्रषासन सिद्धान्त एवं व्यवहार	पी.डी. शर्मा और हरीषचन्द्र शर्मा
5.	वित्त प्रषासन	गौतम पद्मनाम
6.	लोक प्रषासन के सिद्धान्त	सी.पी. भामरी
7.	लोक प्रषासन	बी.एल. फाडिया
8.	प्रशासनिक सिद्धान्त	अवस्थी और अवस्थी

Reference :-

- Avasthi & S.R. Maheshwari: **Public Administration,** (Agra: L. N. Agrawal, latest Hindi and English editions)
- R. R. Jha: **Lokayukta : The Indian Ombudsman,** Rishi Publications, Varanasi, 1991
- F.A. Nigro and G.I. Nigro, **Modern Public Administration,** New York, Harper Row, 1980
- M. P. Sharma, B. L. Sadana, **'Lok Prashasan : Siddhanth Evam Vyavahar'**,(Allahabad: Kitab Mahal, Latest Hindi and English editions) .
- R. K. Arora & R. Goyal: **Indian Public Administration,** (New Delhi: Vishwa Prakashan, 2008).
- S. Kataria**, 'Personnel Administration'**, (RBSA Publishers, Jaipur, 2003).

.

Revised syllabus
SOCIOLOGY 2018-2019

B.A. PART-III
PAPER – I
FOUNDATIONS OF SOCIOLOGICAL THOUGHT
(Paper Code-0246)

UNIT-I **August Comte** : The Law of Three Stages , Positivism, Hierarchy of Science.

Durkheim: Social Solidarity and Suicide.

UNIT-II **Karl Marx** : Dialectic Materialism , Class Struggle and Surplus value.

Max Weber : Bureaucracy, Authority and the Protestant Ethic and the spirit of Capitalism.

UNIT–III **Pareto** : Circulation of Elis and Logical and Nonlogical action.

Spencer : Social Darwinism, super organic evolutions.

UNIT–IV **Thorstein Veblen:** The Theory of Leisure Class, Theory of Social Change.

R. K. Morton: Functionalism and Reference Group.

UNIT-V **Development of Sociological thought in India : -**

Mahatma Ghandhi: Ahimsa, Satya Graha and Trusteeship.

Radha kamal Mukherjee : The Concept of Value.

ESSENTIAL READINGS –

1 Barres,H.E. : Introduction to the sociology, Chicago the university of Chicago press 1959.
2 Coser,Levis a.,: Master of sociological thought, New York Harcourt Brace Jovanovich 1979.
3 Singh, Yogendra- Indian sociology:social conditioning and emerging frends. New Delhi vistaar 1986.
4 Zeitlin,Irving-(Indian edition) Rethinking sociology: A critigue of contemporary theory , Jorpur Rawl 1999.

11/6/2018
Head,
S.O.S. in Sociology & Social Work,
Pt. Ravishankar Shukla University,
Raipur. (C.G.)

Revised syllabus

SOCIOLOGY 2018-2019

B.A. PART-III
PAPER-II
METHODS OF SOCIAL RESEARCH
(Paper Code-0247)

UNIT-I **Social Research** : Meaning, Characteristics and Significance.

Scientific methods , Hypothesis.

UNIT-II **Qualitative Research** : Ethnography, Observation, Case Study, Content analysis.

UNIT-III **Reasearch design :** Exploatory , Descriptive, Explanatory, Experimental, and Diagnostic.

UNIT-IV **Tools and Techniques of Social Research:** Social Survey, Sampling, Questionnaire, Interview - Schedule and Interview - Guide.

UNIT-V **Social Statistics:** Meaning, Importance and Limitations.

Graphs, Diagrams and Measures of Central Tendency- Mean, Mode, Median, Co-relation, Use of Computer in Social Research.

ESSENTIAL READINGS –

1. Young, P.V. (1977). *Scientific Social Surveys and Research.* Prentice Hall of India. New Delhi.
2. Bruce, C., & Margaret, M. (1993). *Approaches to Social Research.* New York: Oxford University Press.
3. Cohen, M., & Nagel, E. (1944). *An Introduction to Logi and Scientific Method.* New York: Harcourt, Brace & Company.
4. Forcese, D., & Richer, S. (1973). *Social Research Methods.* Cliffs: Englewood, Cliffs, NJ. Printinh Hall.
5. Moser, C.A. (1962). *Survey Methods in Social Research Investigation.* London: Heinemann, Printce Hall.
6. Goode, & Hatt. (1952). *Methods in Social Research.* New York: MC'grawHill Publishers.

11.6.18

Shubhashs 11/06/2018

11.06.18

11.06.2018

11/6/2018

11.6.18

11/6/18

Head,
S.O.S. in Sociology & Social Work,
Pt. Ravishankar Shukla University,
Raipur. (C.G.)